लोकमणि लाल पुरस्कार

(विद्यालय शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए)
महर्षि पतजंलि विद्या मन्दिर समिति द्वारा सम्पादित
28 ए, शिलाखाना, तेलियरगंज, इलाहाबाद–211004
फोन नं0 – 09335408970, 0532–2546538,
ई–मेल–mpvmsamiti@gmail.com,
वेबसाइट–www.mpvm.edu.in and www.mpvmgg.com

उत्कृष्टता पुरस्कार 2018

(ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं में शिक्षण के लिए)
[ट्रॉफी, सम्मान पत्र एवं 41,000/– रूपये नकद]

अर्हता

भारत के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक/माध्यमिक स्तर के शिक्षक उक्त पुरस्कार के लिए अनुमन्य होंगे।

आवेदनकर्ता के पास आवेदन की तिथि तक भारत में स्थित किसी जनपद के एक विद्यालय में नियमित रूप से 5 वर्ष का शिक्षण–अनुभव हो तथा सम्पूर्ण शिक्षण अनुभव दस वर्षों से कम न हो।

स्व–मूल्यांकन प्रपत्र

कृपया इन प्रश्नों के उत्तर सत्य एवं स्पष्ट रूप में स्वयं दें। कोई भी उत्तर 'सही' या 'गलत' नहीं होगा । यह स्व–मूल्यांकन पत्र निर्णायक मंडल के लिए आपको समझने में सहायक होगा।

विद्यालय–शिक्षण के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार
(ग्रामीण क्षेत्र में स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं में शिक्षण के लिए)

1. आवेदनकर्ता का विवरण

(i) नाम .....

(ii) [ ] पुरूष [ ] स्त्री जन्मतिथि : दिनांक .....माह.....वर्ष.....

(iii) पद .....

(iv) विद्यालय का नाम .....

(v) शिक्षा का माध्यम [ ] अंग्रेजी [ ] अन्य

(vi) सम्बद्धता ..... बोर्ड/प्राथमिक शिक्षा परिषद्

(vii) पत्राचार का पता पिनकोड सहित (कार्यालय).....

.....

(viii) पत्राचार का पता पिनकोड सहित (निवास).....

.....

(ix) दूरभाष : मोबाइल ..... निवास .....

ई–मेल ..... फैक्स .....

(x) शैक्षिक योग्यता (अंक पत्र संलग्न करें)

कक्षा	सत्र	विषय	बोर्ड / विश्वविद्यालय	श्रेणी

2. कार्य–विवरण

(i) अध्यापन अनुभव की अवधि.....

(ii) ग्रामीण क्षेत्र / मलिन बस्तियों में अध्यापन का कोई अनुभव.....

.....

(iii) विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों (Children with special needs) को पढ़ाने का अनुभव (यदि कोई हो)

.....

(iv) अध्यापन अनुभव का विवरण .....

क्र.सं.	पद	कब से	कब तक	पढ़ाये गये विषय

3. विगत 5 वर्षों में आपके द्वारा पढ़ाई गई कक्षाओं का परिणाम–

क्र.सं.	कक्षायें	वर्ष	परिणाम	टिप्पणी

4. उपलब्धियों की सूची– (पुष्टि हेतु प्रमाणपत्र संलग्न करें)

(i) कार्य विशेष .....

(ii) सामाजिक योगदान .....

(iii) सह–शैक्षिक क्रियाएँ .....

(iv) वैयक्तिक .....

(v) ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा प्रसार .....

(vi) अन्य (यदि कोई हो) .....

5. अकादमिक उपलब्धियाँ

(i) अपने शिक्षण को प्रभावशाली बनाने हेतु आप द्वारा प्रयुक्त कोई नवीन प्रयोग संक्षिप्त जानकारी दें।

(ii) कक्षा–शिक्षण एवं अधिगम को अधिक रूचिकर बनाने हेतु जनसंचार साधनों सहित अन्य जिन शिक्षण–उपागमों एवं साधनों का आपके द्वारा प्रयोग किया गया, उनका उल्लेख करें।

6. अतिरिक्त जानकारियाँ (आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पृष्ठ संलग्न करें)

(i) पाठ्यक्रम विकास/संगोष्ठी/कार्यशालाएँ इत्यादि (विगत पाँच वर्षों में प्रतिभागिता की हो) .....

(ii) विगत पाँच वर्षों में पत्रों/शोधपत्रों की प्रस्तुति .....

(iii) आपके प्रकाशन (लेख/पत्र/पुस्तकें) अगर हों .....

(iv) कोई नवीन परियोजना/प्रतिदर्श/प्रयोग/शिक्षण विधि जिसे अपनाया हो.....

(v) कोई नवीन सहशैक्षिक क्रिया जिसे आपने अपने विद्यालय में शुरू किया हो .....

(vi) प्राप्त सम्मान/ कोई दूसरी उपलब्धि/किन्हीं दो का उल्लेख करें।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें (शब्द सीमा 200) (यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त पृष्ठ संलग्न करें)।

(i) कठिन परिस्थितयों में बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने में आपकी क्या भूमिका रही?

.....

.....

.....

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आपके द्वारा ऐसा कोई विशिष्ट प्रभावशाली कार्यक्रम बनाया गया है?

.....

.....

.....

(iii) समाज के अभावग्रस्त वर्ग के लिए स्वास्थ्य और समृद्धि के सुधार हेतु आपके द्वारा किस प्रकार का योगदान प्रदान किया गया है।

.....

.....

.....

(iv) ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को प्रोत्साहित करने व ध्यान केन्द्रित करने हेतु आपके द्वारा क्या कदम उठाये गये है।

.....

.....

.....

(v) बच्चों को बलपूर्वक नहीं वरन शिक्षा के लिए किस प्रकार निर्देशित किया जाना चाहिए कि उनके जिज्ञासु मस्तिष्क एवं विलक्षण प्रतिभा को सही दिशा प्रदान की जा सके। किन गतिविधियों के द्वारा आप उन बच्चों के व्यक्तित्व विकास को निर्मित करेगें।

.....

.....

.....

(vi) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्वयं को सशक्त बनाने हेतु साधन विहीन वर्ग की महिलाओं के लिए आपके द्वारा किए गए प्रयासों का स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

.....

.....

.....

(vii) समाज में साधनहीन महिलाओं को जागरूक, आत्मविश्वास से पूर्ण बनाने एवं उन्हें प्रेरित करने के लिए आपकी सृजनात्मक भूमिका के ठोस उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

.....

.....

.....

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें (शब्द सीमा 200)** (यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त पृष्ठ संलग्न करें)।

(i) अध्यापक के रूप में सर्वाधिक संतोषजनक अनुभव .....

.....

(ii) विद्यालय में अनुशासन बनाये रखने के लिये आप की दृष्टि से क्या–क्या प्रयास किये जाने चाहिये?

.....

(iii) विद्यालय में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बनाये रखने के लिये आपने क्या–क्या प्रयास किये?

.....

(iv) यदि कोई छात्र अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए पाया जाता है तो आप किस प्रकार व्यवहार करेंगे?

.....

(v) ग्रामीण क्षेत्र में पठन–पाठन प्रक्रिया के दौरान आपके समक्ष आई परिस्थितियों/चुनौतियों का सामना आपने किस प्रकार किया, विवरण दें।

.....

(vi) ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा/परीक्षा की शुचिता (Sanctity) को बनाये रखने के लिए अपने द्वारा किये गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

.....

(vii) वर्तमान परिवेश में आपने अपने विद्यार्थियों के ज्ञान को अद्यतन (Update) करने के लिए क्या प्रयास किए हैं?

.....

(viii) कृपया एक संक्षिप्त लेख द्वारा यह बताएँ कि आप स्वयं को इस पुरस्कार के लिए क्यों सुयोग्य मानते हैं? (अतिरिक्त पृष्ठ संलग्न करें)

9. संदर्भकर्ता–

नाम	पता (दूरभाष सहित)	ई–मेल पता	आप इनको किस रूप में जानते हैं*

* सहयोगी / संस्था–प्रधान / समुदाय–प्रधान / कोई अन्य (कृपया उल्लेख करें)

दिनांक ..... आवेदनकर्ता का हस्ताक्षर .....

<u>सामान्य नियम</u>

1. आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सादे कागज के साथ अंग्रेजी अथवा हिन्दी में टंकित तथा निर्देशानुसार समस्त संलग्नकों के साथ दो पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ के साथ भेजा जाना चाहिए। आवेदन के साथ समस्त अभिलेखीय साक्ष्यों को भेजा जाय तथा समाचार पत्र इत्यादि में प्रकाशित लेखों इत्यादि की छायाप्रति भी प्रस्तुत की जाए ताकि आवश्यकतानुसार उपलब्धियों का प्रमाण प्राप्त हो सके।
2. आवेदन सम्बन्धित शिक्षक द्वारा किया जाना चाहिए तथा विद्यालय अथवा स्वयं शिक्षक द्वारा प्रेषित किया जा सकता है।
3. कृपया दो ऐसे लोगों के नाम और पते का उल्लेख करें जो आपके कार्य से परिचित हो तथा जिनसे गोपनीय संदर्भों के सम्बन्ध में सम्पर्क किया जा सके।
4. आवेदन एक लिफाफे के अन्दर जिसके ऊपर गोपनीय लिखा हो **सचिव, महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर, 28–ए, शिलाखाना, तेलियरगंज, इलाहाबाद–211 004 में 25 सितम्बर 2018** तक अथवा इसके पूर्व अवश्य पहुँच जाना चाहिए।
4. निर्णायक मंडल का निर्णय ही मान्य होगा एवं किसी चुनौती के लिए बाध्य नहीं होगा।
6. अतिरिक्त जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए श्री अजय श्रीवास्तव से सम्पर्क कर सकते हैं मोबाइल नं. **09335408970**.

*****

लोकमणि लाल पुरस्कार

(विद्यालय शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए)
महर्षि पतजंलि विद्या मन्दिर समिति द्वारा सम्पादित
28 ए, शिलाखाना, तेलियरगंज, इलाहाबाद–211004
फोन नं0 – 09335408970, 0532–2546538,
ई–मेल–mpvmsamiti@gmail.com,
वेबसाइट–www.mpvm.edu.in and www.mpvmgg.com

नामांकन पत्र

नामांकनकर्ता – प्रधानाचार्य/ प्रबन्धक/ शिक्षाविद्/ सामाजिक कार्यकर्ता (यह पत्र केवल नामांकनकर्ता द्वारा ही भरा जाना है)।

1. नामांकनकर्ता का विवरण

   नाम : ..... उपनाम (यदि कोई हो).....

   पता : .....

   .....

   दूरभाषः .....

   ई–मेलः .....

2. नामांकित किये गये अध्यापक / शिक्षक का विवरण

   नाम : .....

   पता : .....

   .....

   दूरभाषः .....

   ई–मेलः .....

3. कृपया बताएं कि नामांकित अध्यापक, नामांकनकर्ता से किस प्रकार परिचित हैः .....

   .....

   परिचय की अवधि : .....

4. नामांकनकर्ता द्वारा नामांकित अध्यापक का मूल्यांकन (200 शब्द)

   .....

   .....

   .....

   .....

   .....

   .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

5. क्या आप अपना मत गोपनीय रखना चाहते हैं? हाँ/ नहीं ? (जो भी अनुपयुक्त हो उसे काट दें)

दिनांक .....

.....

नामांकनकर्ता का हस्ताक्षर

नोटः

1. नामांकनपत्र में नामांकनकर्ता, कृपया नामांकित अध्यापक का विवरण, अपनी पूर्ण जानकारी में भरें।
2. यदि नामांकनकर्ता, नामांकित अध्यापक के बारे में कोई अन्य जानकारी देना चाहे तो उसे नामांकनपत्र के साथ संलग्न करें।

————00————